30-10-2022

एनएसआई मे छात्राओं को निशुल्क सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने के लिए वेंडिंग मशीन स्टॉल

हाइजीन पर फोकस करने के लिए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का अच्छा प्रयास

जेटीएनएन

कानपुर। छात्राओं को निशुल्क सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने के प्रयास में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के बालिका छात्रावास में सेनेटरी पैड वेंडिंग और भस्मीकरण प्रणाली स्थापित की गई है।जागरूकता और पैसे की कमी के कारण ‘मासिक धर्म स्वच्छता’ चिंता का विषय बना हुआ है। 20 राज्यों के 152 जिलों में 10 से 19 आयु वर्ग की 15 मिलियन किशोरियों के बीच मासिक धर्म स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत 2011 में मासिक धर्म स्वच्छता योजना शुरू की गई थी। कम लागत वाले पैड की पहुंच और गुणवत्ता में सुधार मासिक धर्म के स्वास्थ्य से निपटने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, क्योंकि भारत में सेनेटरी पैड को उपयोग के लिए खरीदने की सामर्थ्य अभी भी मुख्य बाधा है और इसलिए हमने छात्राओं को ऐसे पैड मुफ्त में उपलब्ध कराने के लिए सिस्टम स्थापित करने का निर्णय लिया, नरेंद्र मोहन, निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर ने कहा। संस्थान की महिला कर्मचारी भी पांच रुपये का मामूली शुल्क देकर इस सुविधा का लाभ उठा सकती हैं, डॉ. अनंतलक्ष्मी, गर्ल्स हॉस्टल वार्डन ने सूचित किया ।

एनएसआई में लगी सेनेटरी पैड वेडिंग व भस्मीकरण मशीन

महिला कर्मचारी भी पांच रुपये का मामूली शुल्क देकर पा सकेगी सेनेटरी पैड

कानपुर, 29 अक्टूबर। छात्राओं को निशुल्क सेनेटरी पैड उपलब्ध कराने के प्रयास में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर के बालिका छात्रावास में सेनेटरी पैड वेडिंग और भस्मीकरण प्रणाली की मशीन स्थापित की गई है।

सेनेटरी पैड पाकर खुश छात्राएं।

जागरुकता और पैसे की कमी के कारण मासिक धर्म स्वच्छता चिंता का विषय बना हुआ है। 20 राज्यों के 152 जिलों में 10 से 19 आयु वर्ग की 15 मिलियन किशोरियों के बीच मासिक धर्म स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत 2011 में मासिक धर्म स्वच्छता योजना शुरू की गई है थी। कम लागत वाले पैड की पहुंच और गुणवत्ता में सुधार मासिक धर्म के स्वास्थ्य से निपटने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। एनएसआई, निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि भारत में सेनेटरी पैड को उपयोग के लिए खरीदने की सामर्थ्य अभी भी मुख्य बाधा है। इसलिए छात्राओं को ऐसे पैड मुफ्त में उलब्ध कराने के लिए सिस्टम स्थापित करने का निर्णय लिया। गर्ल्स हास्टल वार्डन, डा. अनंत लक्ष्मी ने कहाकि संस्थान की महिला कर्मचारी भी पांच रुपये का मामूली शुल्क देकर इस सुविधा का लाभ उठा सकती है।

Sanitary pad vending machine at NSI

Kanpur: Sanitary pad vending and Incineration System has been installed in the girl's hostel at National Sugar Institute, Kanpur. The facility can be availed by the female staff of institute also by paying a nominal charge of Rs five per pad, said Ananthalakshmi, Girls Hostel Warden. TNN

एनएसआई में छात्राओं को निःशुल्क उपलब्ध होंगे सेनेटरी पैड

कानपुर (नगर छाया समाचार)। छात्राओं को निशुल्क सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने के प्रयास में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के बालिका छात्रावास में सेनेटरी पैड वेंडिंग और भस्मीकरण प्रणाली स्थापित की गई है। जागरूकता और पैसे की कमी के कारण मासिक धर्म स्वच्छता चिंता का विषय बना हुआ है। 20 राज्यों के 152 जिलों में 10 से 19 आयु वर्ग की 15 मिलियन किशोरियों के बीच मासिक धर्म स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत 2011 में मासिक धर्म स्वच्छता योजना शुरू की गई थी। कम लागत वाले पैड की पहुंच और गुणवत्ता में सुधार मासिक धर्म के स्वास्थ्य से निपटने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, क्योंकि भारत में सेनेटरी पैड को उपयोग के लिए खरीदने की सामर्थ्य अभी भी मुख्य बाधा है और इसलिए हमने छात्राओं को ऐसे पैड मुफ्त में उपलब्ध कराने के लिए सिस्टम स्थापित करने का निर्णय लिया, श्री नरेंद्र मोहन, निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर ने कहा।

संस्थान की महिला कर्मचारी भी पांच रुपये का मामूली शुल्क देकर इस सुविधा का लाभ उठा सकती हैं, डॉ.(श्रीमती) अनंतलक्ष्मी, गर्ल्स हॉस्टल वार्डन ने सूचित किया।

एनएसआई में पैड वेंडिंग मशीन लगाई

कानपुर। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट में छात्राओं को निशुल्क सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने के लिए पैड वेंडिंग और भस्मीकरण प्रणाली स्थापित की गई है। मासिक धर्म स्वच्छता को लेकर छात्राओं को जागरूक किया जा रहा है। निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत वर्ष 2011 में मासिक धर्म स्वच्छता योजना शुरू की गई है। अभी भी सैनिटरी पैड खरीदने की बहुतों में सामर्थ्य नहीं है। संस्थान की महिला कर्मचारी भी पांच रुपये में इसका लाभ उठा सकती हैं। (संवाद)

Pioneer

Sanitary pad vending machine inaugurated

Kanpur (PNS): Improving the reach and quality of low cost sanitary pads was an essential and important part of tackling menstrual health. Affordability in India was still the main barrier for the usage of sanitary pads and thus the National Sugar Institute decided to install the system to provide such pads on subsidised rates to the girl students of the institute.

This was stated by the Director of NSI, Narendra Mohan, Director, National Sugar Institute, while inaugurating the sanitary pad vending and incineration system set up especially for girl students of the institute. He said NSI had made a beginning by providing subsidised sanitary pads to the girl students. He said menstrual hygiene had remained an area of concern because of lack of awareness, affordability and social taboos. He said the NSI extended support to the Menstrual Hygiene Scheme launched in 2011 under the NHM for the promotion of menstrual hygiene amongst 15 mn adolescent girls in the age group of 10 to 19 in 152 districts across 20 states.

Hostel warden Dr Ananthalakshmi said the facility can be availed of by the female staff and students of the institute by paying a nominal charge of Rs 5. She said What made the problem more complex was that in India menstrual health was not only a big hygiene issue, but also a social taboo. She said while a society cannot compromise on efforts to increase access to sanitary hygiene products, women's health was often neglected, and the amount of steadily growing menstrual waste was an equally acute environmental issue. She said disposable sanitary napkins were a hazard because around 90 per cent of a sanitary pads were made of plastic. She said NSI was aware of the increasing awareness related to sanitary napkins and thus it had installed the facility of vending and its safe disposal.